

Course Code: 3MAECO1
Course: History of Economic Thought
Credit: 4
Last Submission: October 31, (for July session)
April 30 (for January Session)

Max. Marks:-30

Min. Marks:-11

Note:-attempt all questions.

- Q.1 Explain the forces which gave rise to physiocracy and discuss their main contribution to Economics thought.
प्रकृतिवाद को जन्म देने वाले शक्तियों की व्याख्या कीजिए।
- Q.2 Estimate the importance of David Ricardo's contribution to the development of Economic thought.
आर्थिक विचारधारा के इतिहास में डेविड रिकार्डो के अंशदान के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।
- Q.3 "With Mill, Classical economics may be said in some way to have attained its perfection and with him begins its decay" Discuss.
मिल के द्वारा परम्परागत अर्थशास्त्र अपनी सर्वोच्च अवस्था में पहुंच गया था और उसी के द्वारा उसका पतन प्रारंभ हो गया व्याख्या कीजिए।
- Q.4 Discuss List's theory of Economic evolution and his idea of perfection.
लिस्ट के आर्थिक विकास के सिद्धांत तथा उसके संरक्षण के विचार की व्याख्या कीजिए।
- Q.5 Indicate the place of Menger in the Marginalist Revolution of 1860 and give a critical assessment of his economic Thought.
1860 की सीमांत क्रांति में मेंजर का क्या स्थान है आर्थिक विचारों में इसकी आलोचनात्मक वर्णन कीजिए।
- Q.6 "Maxim is simply a branch grafted on classical trunk," Explain fully the above statement.
"मार्क्सवाद परम्परावाद के तने में उगी हुई एक शाखा है" पूर्णतः स्पष्ट कीजिए।
- Q.7 Critically Discuss the Main contribution of Marshall to Economic Thought.
आर्थिक विचारों में मार्शल के योगदान की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
- Q.8 Explain the Economic & Dear of Irving Fisher and W.C. Mitchell.
इरविंग फिशर एवं डब्ल्यू सी. मिचेल के आर्थिक विचारों को समझाइये।
- Q.9 "The General Theory is simply classical Economics with Development and embroidery of Keynes" Do You Agree.
"सीमांत सिद्धांत प्रतिष्ठित सिद्धांत ही है, केंज ने केवल उसे विकसित तथा सुसज्जित किया है।" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं।
- Q.10 Write short notes: टिप्पणी लिखिए।
(i) M.K Gandhi view of Economic thoughts.

महात्मा गाँधी के आर्थिक विचार का दृष्टिकोण।

(ii) J.K Meht's view of economic thoughts.

जे.के. मेहता के आर्थिक विचार का दृष्टिकोण।